

शक्ति (Power)

Dr. Varchasa Saini
Assistant Professor
Department of Political Science
J.K.P. PG College, Muzaffarnagar

अर्थ और परिभाषा

उस सामाजिक स्थिति का घोटक है जिसमें कोई व्यक्ति विशेष सामाजिक विरोध की स्थिति में भी अपनी इच्छा और आदेशों का पालन करवाने में सफल हो जाता है। यह नकारात्मक संकल्पना है। शक्ति की अवधारणा सकारात्मकता एवं नकारात्मकता पूर्ण होती है यदि शक्ति में वैद्यता जुड़ जाए तो सकारात्मकता रूप में उभरती है अन्यथा शक्ति दिशाहीन होती है जो विनाशकारी भी सिद्ध हो सकती है शक्ति व्यक्ति की योग्यता को प्रदर्शित करती है। शूमैन का कथन है कि-शक्ति व्यक्तियों पर नियंत्रण एवं प्रभाव डालने संबंधी होती है।

समाजशास्त्री वैबर-शक्ति को आरोपण के रूप में अभिव्यक्त करते हैं यह आरोपण बाध्यकारी रूप में होता है यह अवधारणा अनेक विद्वानों द्वारा विवेचित की गई है।

शक्ति के संबंध में विद्वान बर्नार्ड शा का मत है कि-शक्ति कभी भ्रष्ट नहीं करती बल्कि जब यह अज्ञानी में निहित होती है तभी भ्रष्ट होने की संभावना बढ़ जाती है।

आर्गेन्सकी के मतानुसार- शक्ति अन्य व्यक्तियों को अपने लक्ष्यों के अनुरूप प्रभावित करने की क्षमता है । शक्ति एक सापेक्ष शब्द है

यथा-राजनीतिक शक्ति, आर्थिक शक्ति ,सामाजिक शक्ति

इत्यादि

शक्ति की विशेषता

- 1- बाध्यकारी स्थिति का होना
- 2- कार्य करवाने की भावना पर आधारित
- 3- फोलेट की शक्ति की अवधारणा के तहत शक्ति के ऊपर की स्थिति उभरती है
- 4- बल प्रयोग तत्व की संभावना रहती है
- 5- यह अस्थायी व वैयक्तिक

शक्ति के महत्वपूर्ण घटक

1- प्रभाव

2- बाध्यता

3- अपने हित को किसी भी प्रकार साधना

शक्ति की अवधारणा के प्रमुख सिद्धांत

1-अभिजात्य वर्ग सिद्धांत — इस सिद्धांत के समर्थक रोबर्ट मिशेल्स पैरेंटो, गिटानो, मोस्को मिल्स है।

2- मैक्स वेबर का शक्ति मॉडल — इस सिद्धांत का अन्य नाम त्रियामी या शून्य सिद्धांत ह, इस सिद्धांत में शक्ति दलगत आधार पर दल के सदस्यों में निहित होती है।

3- स्थिर विचारधारा पर आधारित सिद्धांत— इस सिद्धांत के प्रतिपादक कार्ल मार्क्स हैं इस सिद्धांत में आर्थिक शक्ति प्रदान अन्य गौण और अन्य शक्तियां भी आर्थिक शक्ति पर निर्भर होती है।

4- चर विचारधारा पर आधारित सिद्धांत— इस सिद्धांत के प्रतिपादक टालकॉट पारहंस है। इस सिद्धांत में शक्ति का आधार समाज है समाज व्यक्ति का चयन करता है जो शक्ति का उपयोग उनके हित में

करे।

शक्ति की अवधारणा को निम्न प्रतिमानों के द्वारा समझा जा सकता

- 1-सामाजिक संदर्भ आधारित
- 2-उत्तर आधुनिक आधारित
- 3-आंतरिक चेतना आधारित
- 4-संगठनिक विचारधारा पर आधारित